महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(नागपूर मेट्रो रेल प्रकल्प)

ठाणे इंटिग्रल रिंग मेट्रो रेल परियोजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजुरी

- **परियोजना कि लागत रु 12,200 करोड**
- **2029 तक परियोजना होगी कार्यान्वित**
- **रिंग कॉरिडोरची की कुल लंबाई 29-किमी; जिनमे 22 स्टेशन है**

नागपुर: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इनकी अध्यक्षता मे हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल कि बैठक मे ठाणे इंटिग्रल रिंग मेट्रो रेल परियोजना को मंजुरी प्रदान की गयी है ! 29 किमी लंबाई का यह कॉरिडोर ठाणे शहर के पश्चिम दिशा के परिसर मे होगा जिनमे 22 स्टेशन का समावेश है ! इस परियोजना के एक साइड उल्हास नदी और दुसरे साइड संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान [SGNP] है !

महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड इस परियोजना को कार्यान्वित करेगा जो कि, जिससे इस परिसर मे मेट्रो रेल परियोजना मे कनेक्टिव्हिटी सुलभ और सुविधाजनक यातायात का साधन प्रदान करेगी जिससे शहर के सडक मार्ग कि भीड कम होगी और साथ ही प्रदूषण कम करने मे मदत मिलेगी यह अपेक्षा है !

•परियोजना की लागत और निधी:

परियोजना कि अनुमानित लागत अंदाजन रु.12,200.10 करोड है जिनमे भारत सरकार (GOI) और महाराष्ट्र सरकार का (GoM) समान हिस्सा रहेगा और द्विपक्षीय एजन्सी द्वारा ऋण स्वरूप अंशतः निधी लिया जाएगा ! इसके साथ हि कॉर्पोरेट संस्थाओ के लिए स्टेशन नेमिंग,मालमत्ता का मुद्रीकरण, व्हॅल्यू कॅप्चर फायनान्सिंग मार्ग के माध्यम से निधी जुटाया जाएगा !

बडे व्यावसायिक केंद्र को जोडने वाला यह कॉरिडोर कर्मचारीयो के बडे वर्ग के लिए एक प्रभावी यातायात कि सेवा प्रदान करेगा ! यह परियोजना 2029 तक पुरी होने कि उम्मीद है !महत्वपूर्ण है कि, इस मेट्रो मार्ग से प्रतिदिन हजारो यात्रियों को विशेषत: छात्र और कर्मचारी वर्ग को दैनंदिन यात्रा करने वालो को तेज और किफायती यातायात का साधन उपलब्ध होगा !

इस परियोजना से 2029, 2035 और 2045 इस वर्ष मे मेट्रो कॉरिडोर 6.47 लाख, 7.61 लाख और 8.72 लाख दैनंदिन यात्री संख्या होगी ! महा मेट्रो फिलहाल नागपुर और पुणे मेट्रो रेल परियोजना कार्यान्वयित कर रही है ! ठाणे मेट्रो रिंग के साथ महा मेट्रोने और एक सफलता हासिल की है !

महा मेट्रो सिव्हिल, इलेवक्ट्रिक,मेकॅनिकल एवं अन्य संबंधित कार्य और संबंधित मालमत्ता के साथ परियोजना कार्यान्वित करेगा ! महा-मेट्रोने इसके पूर्व ही प्री-बीड कार्य और निविदा संबंधित कार्य कि शुरुवात की है ! निविदा प्रक्रिया के करार शिघ्र ही किए जाऐंगे !